

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49] नई बिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 7, 1991/माघ 18, 1912

No. 49] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 7, 1991/MAGHA 18, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकरून के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## नागरिक विमानन मंत्रालय

# ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 7, फुरवरी, 1,991.

सा.का.नि.  $58(\pi)$ :—वायुयान (संशोधन) नियम मार्गिश्यः नियापका इक्साइकि नियमुमान नियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के नागर कि मार्गिश्य में देश की अधिसूचना सी. सी.का निर्माशिक कि मार्गिश्य की अधिसूचना सी. सी.का निर्माशिक कि मार्गिश्य की अधिसूचना सी. सी.का निर्माशिक कि मार्गिश्य कि कि मार्गिल के मार्गिल कि मार्गिल क

भारत के राजपत्न, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) नार्राख 10 फरवरी, 1990 के पृष्ठ 189-190 पर प्रकाणित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों ने ग्राक्षेप और नज़ाब मांगे गए थे जिनके उससे प्रभावित होते की संभावता थी।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 19 फरवरी, 1990 की जनना को उधनब्ध करा दी गई थीं।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप के संबंध में प्राप्त श्राक्षेपों और सुझायों पर विचार कर लिया है।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, वाययान नियम, 1937 का और संगोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनानी है, प्रयति :--

## प्रारूप नियम

- 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाय्यान (द्वितीय संशोधन) नियम, 1991 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारीख को प्रवत्त होंगे।
- 2 वायुपान नियम, 1937 में, नियम 28 के पण्चात् निम्नलिखित नियम ग्रन्तः स्थापित किया जाएगा, श्रर्थात् :---

"28क, वृत्तिक विमान चालकों के लिए ग्राय मीमा---

ं ऐसा कोई व्यक्ति, जो वृत्तिक विमान भालक ग्रनज्ञप्ति ग्रर्थातु वाणिज्यिक उपेप्ठ वाणि-जियक यान वायुमार्ग परिवहन विमान चालक की ग्रन्जिनि धारण कर रहा है, साठ वर्ष की ग्राय प्राप्त करने के पण्चात् पारिश्रमिक या किराए के लिए किसी श्रनमुचित बाय् सेना या ग्रन्-सूर्वित वाय परिवहत संचालनों में भ्रपने भ्रापको संलग्न नहीं करेगा ।"

> [फा. सं. एवी. 11012/3/88-ए] रवीन्द्र गृप्ता, संयक्त सचिव

पाद टिप्पण :----मूल नियम भारत के राजपत्न भाग 1 तारीख 27 मार्च, 1937 में अधि-मूचना संख्या वी-26 तारीख 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाणित किए गए थे। मूल नियमों का तत्पण्चात निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया:

भारत की राजपत्र भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 15 सितम्बर, 1962 में प्रकाशित सा.का.नि. 1238 तारीख 8 मितम्बर, 1962 के राजपन्न भाग 2, खंड 3 उपखंड (1) तारीख 23 जनवरी, 1965 में प्रकाशित सा.का.नि. 129 नारीख 16 जनवरी, 1965।

### MINISTRY OF CIVIL AVIATION

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 7th February, 1991

G.S.R. 58 (E).—Whereas the draft of the Aircraft Amendment) Rules, 1990, was published as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) at pages 189-190 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (i) dated the 10th February, 1990 with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation No. GSR 81 dated the 12th January, 1990 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said notification were made available to the public on 19th February, 1990;

And whereas the objections and suggestions received on the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Aircraft (Second Amendment) Rules, 1991.
- (2) They shall come in to force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Aircraft Rules, 1937, after rule 28, the following rule shall be inserted, namely:—
  - "28A. Maximum age limit for professional pilots—No person, holding a professional pilots' licence i.e. a Commercial, Senior Commercial or Airline "Fransport Pilot's licence, shall engage himself in scheduled air services on non-scheduled aircraft operations for remuneration or hire after attaining the age of sixty years."

[F. No. AV. 11012|3|88-A] RAVINDRA GUPTA, Jt. Secy.

Foot Note:—The Principal Rules, were published vide notification No. V-26 dated the 23rd March, 1937, in Part I, Gazette of India dated the 27th March, 1937.

Subsequently amended by :

GSR 1238 dated the 8th September, 1962, published in Part II, Section 3, sub-section (i) in the Gazette of India dated the 15th September, 1962; and

GSR 129 dated the 16th January, 1965, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) in the Gazette of India dated the 23rd January, 1965.